बालमन

Powered by Teachers of Bihar

मार्च-2023

अंक-3

प्रखंड: चाँद

जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

www.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "**बाल मन कैमूर**" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में रचनात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "**बाल मन कैमूर**" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्र धनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

दर्शनीय स्थल

कुमार राकेश मणि
U.H.S. कोटा नुआंव कैम

रोहतासगढ़ किला

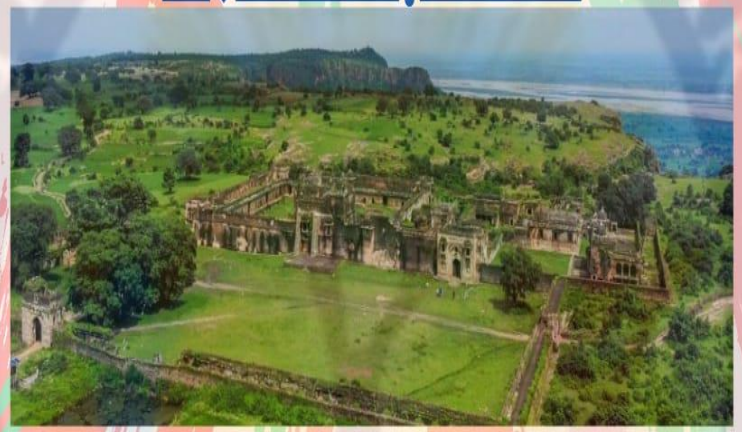

रोहतासगढ़ या रोहतास दुर्ग बिहार के रोहतास ज़िले में स्थित एक प्राचीन दुर्ग है। यह भारत के सबसे प्राचीन दुर्गों में से एक है। यह बिहार के रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम से लगभग 55 और डेहरी आन सोन से 43 किलोमीटर की दूरी पर सोन नदी के बहाव वाली दिशा में पहाड़ी पर स्थित है। कैमूर की पहाड़ियों में स्थित रोहतासगढ़ क़िला, बिहार के कई अतुल्य विरासतों में से एक है , इसके परिसर में अनेक इमारतें है जिनकी भव्यता देखने योग्य है। रोहतास गढ़ का किला काफी भव्य है। इस किले का घेरा 28 वर्गमील तक फैला हुआ है और इसमें कुल 83 दरवाजे है जिनमें मुख्य चार- घोड़ाघाट, राजघाट, कठौतिया घाट व मेढ़ा घाट हैं। प्रवेश द्वार पर निर्मित हाथी, दरवाज के बुर्ज, दीवारों पर पेंटिंग अद्भुत है। रंगमहल, शीश महल, पंचमहल, खूंटा महल, आइना महल, रानी का झरोखा, मानसिंह की कचहरी आज भी मौजूद हैं। परिसर में अनेक इमारतें हैं जिनकी भव्यता देखी जा सकती है। ऐसा कहा जाता है कि इस किले का निर्माण सूर्यवंशी राजा हरिश्चंद्र के पुत्र रोहिताश्व ने कराया था।

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

फाल्गुन मास रंगों की बहार, पिचकारी की फौव्वार,अवीरों का उड़ता गुलाल,मानो धरती भी सतरंगी होकर मन को प्रफुल्लित और आनंदित करती है। फाल्गुन में चेहरा एक दूसरे को झांककर शोभनीय और रमणीय बना देता है।

पत्रिका के तृतीय अंक को समर्पित करते हुए आपकी रचनात्मक कला को देखकर अपार खुशी हो रही है। हम सभी सदैव आपकी रचनात्मक कला को सम्मानित करते हैं। साथ ही आप सभी बच्चे अपने- अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहे। अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे, आपके पास कोई कला है तो उसको हम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी के साथ हमारी बालमन चांद, कैमूर की टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है, अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं।

आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका

प्रमोद कुमार

क.म.वि. चांद

सहयोगी सदस्य

1-उदय पांडे ,म.वि. चांद

2-मो.असलम म.वि. चांद

3-प्रीति कुमारी उ. म.वि. धोबहा

4-मीरा कुमारी उ. माध्यमिक वि.भलुहारी

5-मोनी कुमारी क.म.वि.चांद

6-सुमन सिंह पटेल क.म.वि.चांद

प्रेरक प्रसंग

सच्चाई की जीत

मायापुर नामक एक गॉव था।गाँव की सुंदरता का तो कुछ कहना ही नहीं था, क्योंकि उस गांव के किनारे ही एक विशाल जंगल था और उस जंगल में कई तरह के जंगली जानवर ,पशु-पक्षी रहा करते थे। एक दिन की बात है कि एक लकड़हारा लकड़ियों को लेकर जंगल के रास्ते से अपने गांव की ओर जा रहा होता है तभी लकड़हारा जिस रास्ते पर जा रहा था उस रास्ते पर एक शेर आ जाता है और उस लकड़हारे से कहता है, देखो भाई! आज मुझे कोई भी शिकार सुबह से नहीं मिला है और मुझे बहुत तेज भूख लगी है। मैं तुम्हें खाना चाहता हूँ और तुम्हें खा कर मैं अपनी भूख मिटाऊंगा।

तभी लकड़हारा घबराकर कहता है ठीक है अगर मुझे खाने से तुम्हारी भूख मिट सकती है और तुम्हारी जान बच सकती है तो मुझे ये मंज़ूर है। लेकिन उससे पहले में तुमसे कुछ कहना चाहता हूँ। शेर कहता है, कहो। तुम तो भैया अकेले हो और तुम्हारे पर किसी की ज़िम्मेदारी भी नहीं है परन्तु मेरे घर पर बच्चे बीवी भूख से व्याकुल हो रहे हैं। इस कारण मुझे यह लड़कियाँ बेचकर घर पर भोजन लेकर जाना होगा, परन्तु मैं तुमसे ये वादा करता हूँ कि मैं अपने बीवी और बच्चों को भोजन देकर तुरंत तुम्हारे पास आ जाऊंगा।

तभी शेर बड़ी तेज हँसता है और कहता है कि तुमने क्या मुझे पागल समझ रखा है? तुम्हें मेरा शिकार बनना ही पड़ेगा। तभी लकड़हारा रोता है और कहता है कृप्या मुझे जाने दो मैं अपना वादा नहीं तोड़ूंगा। शेर को उस पर दया आ जाती है और कहता है कि तुम्हें सूर्य डूबने से पहले ही आना होगा। लकड़हारा कहता है, ठीक है। जब लकड़हारा अपनी बीवी और बच्चों को भोजन देकर शेर के पास वापस आया तो शेर प्रसन्न होता है और कहता है, तुम्हें मार कर मैं कोई पाप नहीं करना चाहता। तुम ईश्वर के सच्चे भक्त हो। तभी लकडहारा शेर का धन्यवाद करता है और ख़ुशी ख़ुशी अपने घर लौट जाता है।

शिक्षा:-

हमें हमेशा सच बोलना चाहिए क्योंकि सच्चाई से ही व्यक्ति को सफलता प्राप्त होती है..!!

!! दोस्त का जवाब !!

बहुत समय पहले की बात है, दो दोस्त बीहड़ इलाकों से होकर शहर जा रहे थे। गर्मी बहुत अधिक होने के कारण वो बीच -बीच में रुकते और आराम करते। उन्होंने अपने साथ खाने-पीने की भी कुछ चीजें रखी हुई थीं। जब दोपहर में उन्हें भूख लगी तो दोनों ने एक जगह बैठकर खाने का विचार किया।

खाना खाते - खाते दोनों में किसी बात को लेकर बहस छिड गयी और धीरे -धीरे बात इतनी बढ़ गयी कि एक दोस्त ने दूसरे को थप्पड़ मार दिया पर थप्पड़ खाने के बाद भी दूसरा दोस्त चुप रहा और कोई विरोध नहीं किया। बस उसने पेड़ की एक टहनी उठाई और उससे मिटटी पर लिख दिया "आज मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने मुझे थप्पड़ मारा"

थोड़ी देर बाद उन्होंने पुन: यात्रा शुरू की , मन मुटाव होने के कारण वो बिना एक -दूसरे से बात किये आगे बढ़ते जा रहे थे कि तभी थप्पड़ खाए दोस्त के चीखने की आवाज़ आई वह गलती से दलदल में फँस गया था ...दूसरे दोस्त ने तेजी दिखाते हुए उसकी मदद की और उसे दलदल से निकाल दिया।

इस बार भी वह दोस्त कुछ नहीं बोला उसने बस एक नुकीला पत्थर उठाया और एक विशाल पेड़ के तने पर लिखने लगा "आज मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने मेरी जान बचाई"

उसे ऐसा करते देख दूसरे मित्र से रहा नहीं गया और उसने पूछा , "जब मैंने तुम्हे पत्थर मारा तो तुमने मिटटी पर लिखा और जब मैंने तुम्हारी जान बचाई तो तुम पेड़ के तने पर कुरेद -कुरेद कर लिख रहे हो , ऐसा क्यों ?"

"जब कोई तकलीफ दे तो हमें उसे अन्दर तक नहीं बैठाना चाहिए ताकि क्षमा रूपी हवाएं इस मिटटी की तरह ही उस तकलीफ को हमारे जेहन से बहा ले जाएं, लेकिन जब कोई हमारे लिए कुछ अच्छा करे तो उसे इतनी गहराई से अपने मन में बसा लेने चाहिए कि वो कभी हमारे जेहन से मिट ना सके।" दोस्त का जवाब आया।

नन्हे कलाकार भाग 1

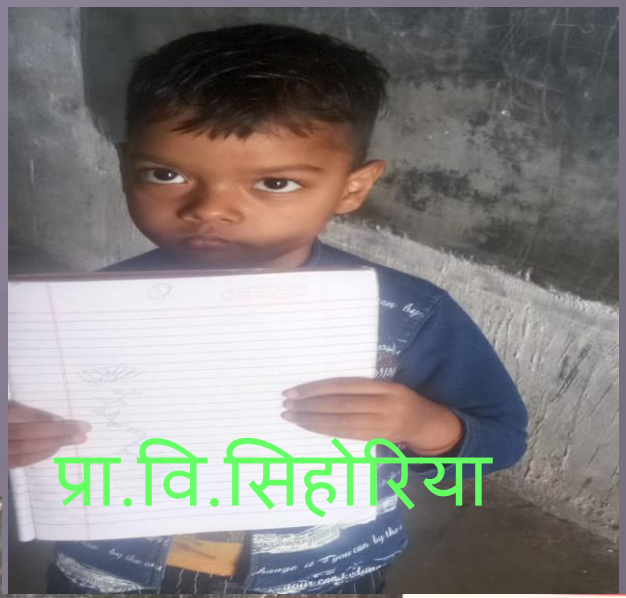

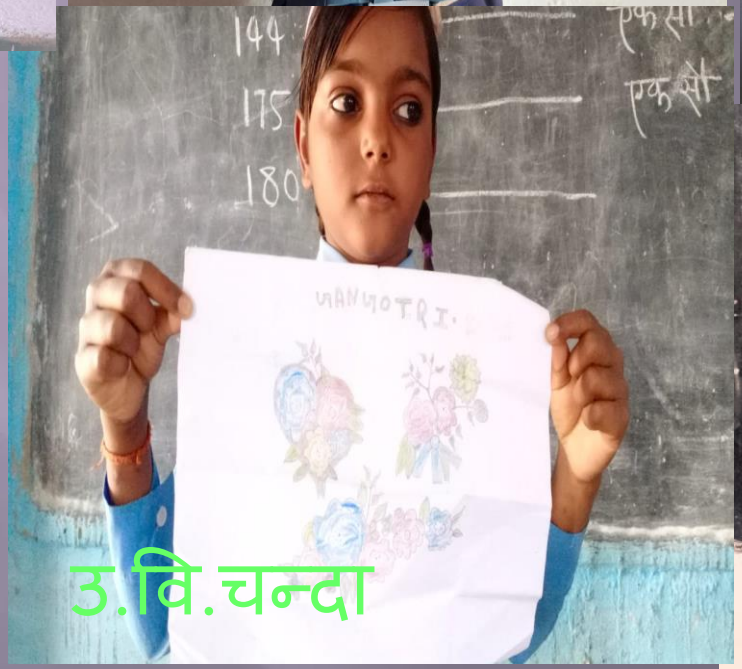

नन्हे कलाकार भाग 2

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया

उ.म.वि.किलनी

पर्दानशीन
करवन्दिया

अंशु,4
प्रा.वि.मोरवा

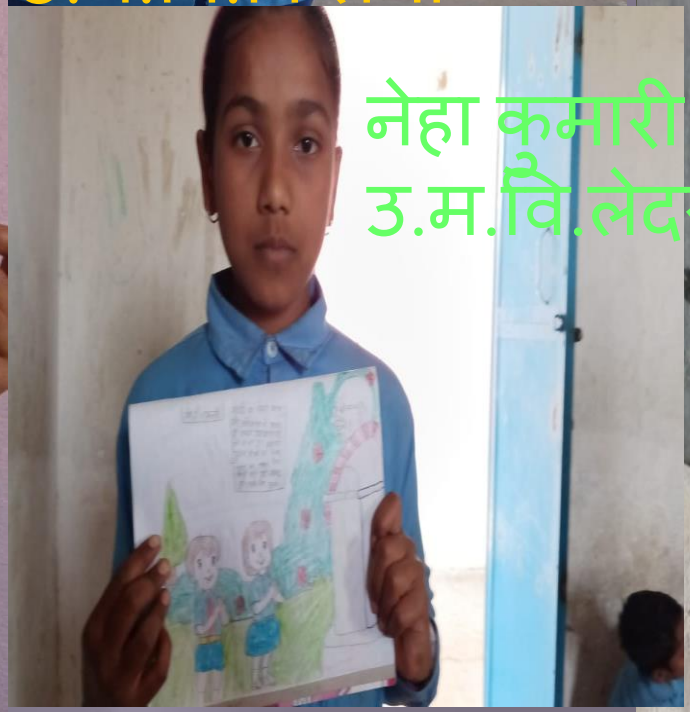

नेहा कुमारी वर्ग-3
उ.म.वि.लेदरी

नन्हे कलाकार भाग 3

नन्हे कलाकारभाग-4

अवनीश, वर्ग-4
प्रा.वि.सेन्दुरा

उ.प्रा.वि.किलनी

उ.प्रा.वि.किलनी

राजकुमारी,
5
प्रा.वि.सेन्दु
रा

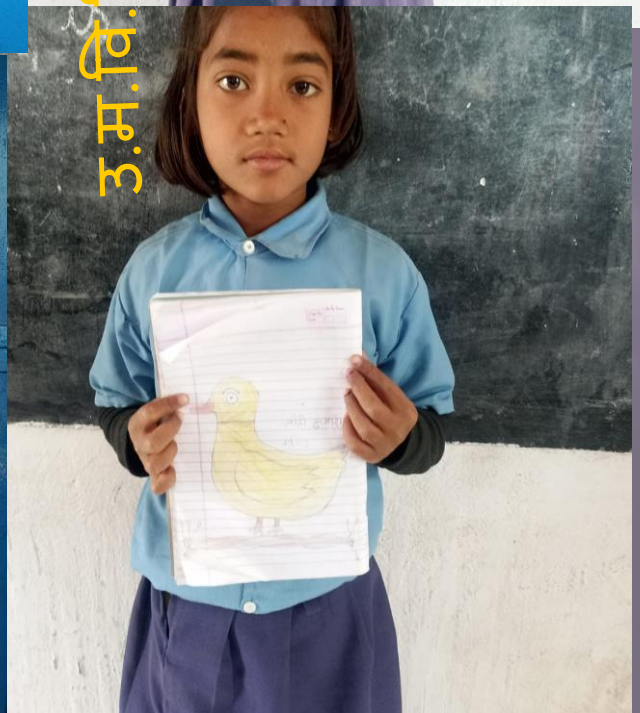
उ.प्रा.वि.किलनी

उ.प्रा.वि.किलनी

नन्हे कलाकार भाग 5

चेतना सत्र

स्वच्छ शौचालय

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया

उर्दू
प्रा.वि.करवन्दिया

Shot on Y11
Vivo AI camera

पेटिंग ऑफ द मंथ

आपके पेंटिंग भाग 1

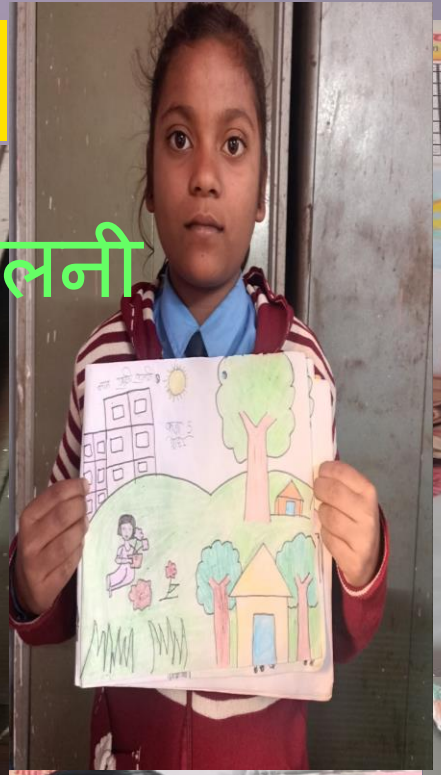

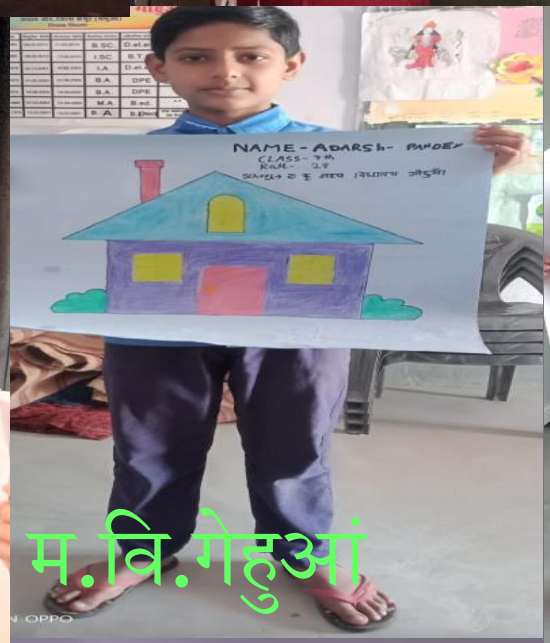

आपके पेंटिंग भाग2

आपके पेंटिग भाग 3

प्रा.वि.सेन्दुरा
realme Shot on realme C25Y
2023/02/13 14:21

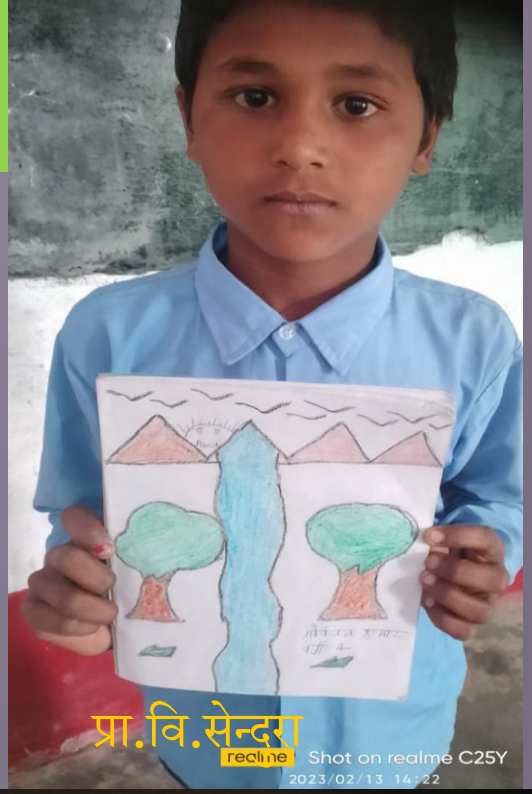
प्रा.वि.सेन्दरा
realme Shot on realme C25Y
2023/02/13 14:22

सन्तोषी वर्ग-2
उ.म.वि.पवरा

प्रा.वि.सेन्दुरा

प्रा.वि.सेन्दुरा
realme Shot on realme C25Y
2023/02/13 14:23

आपके पेंटिंग भाग 4

अनिशा कुमारी
वर्ग-5
म.वि.भरारी
FLAG

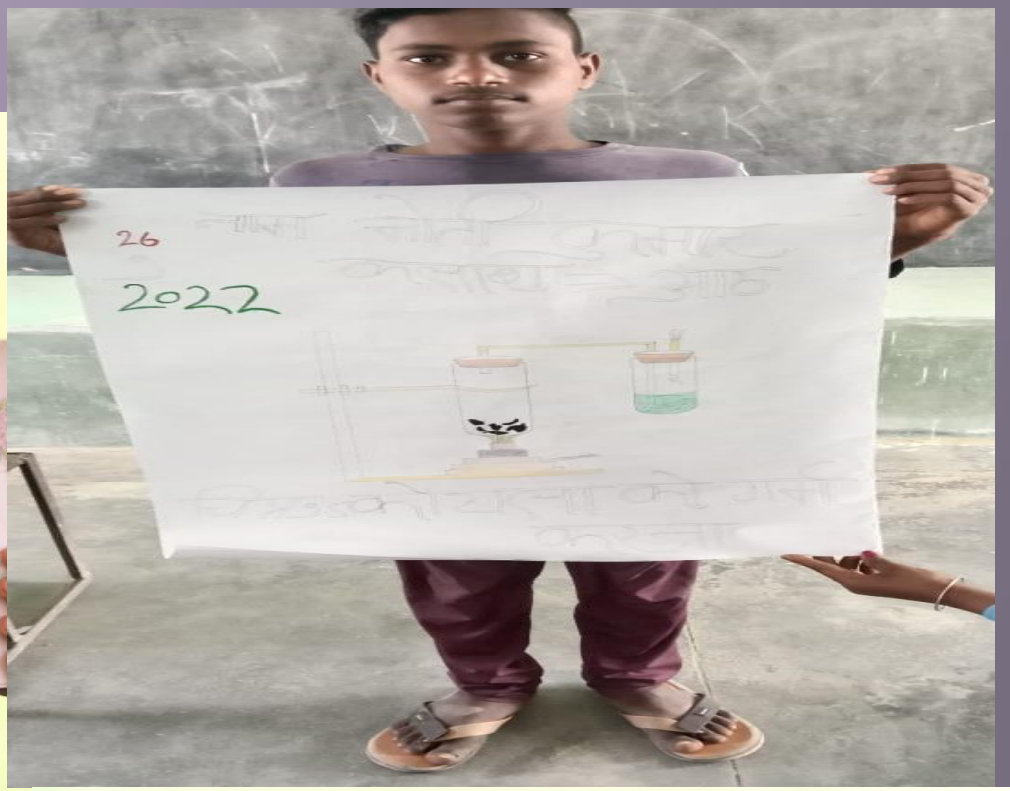
26
2022

उ.म.वि.बसहां
Name Badal Kumar Class 8th

आपके पेंटिंग भाग5

प्रिती कुमारी
वर्ग-3उ.म.वि.पवरा

उ.म.वि.बसहां

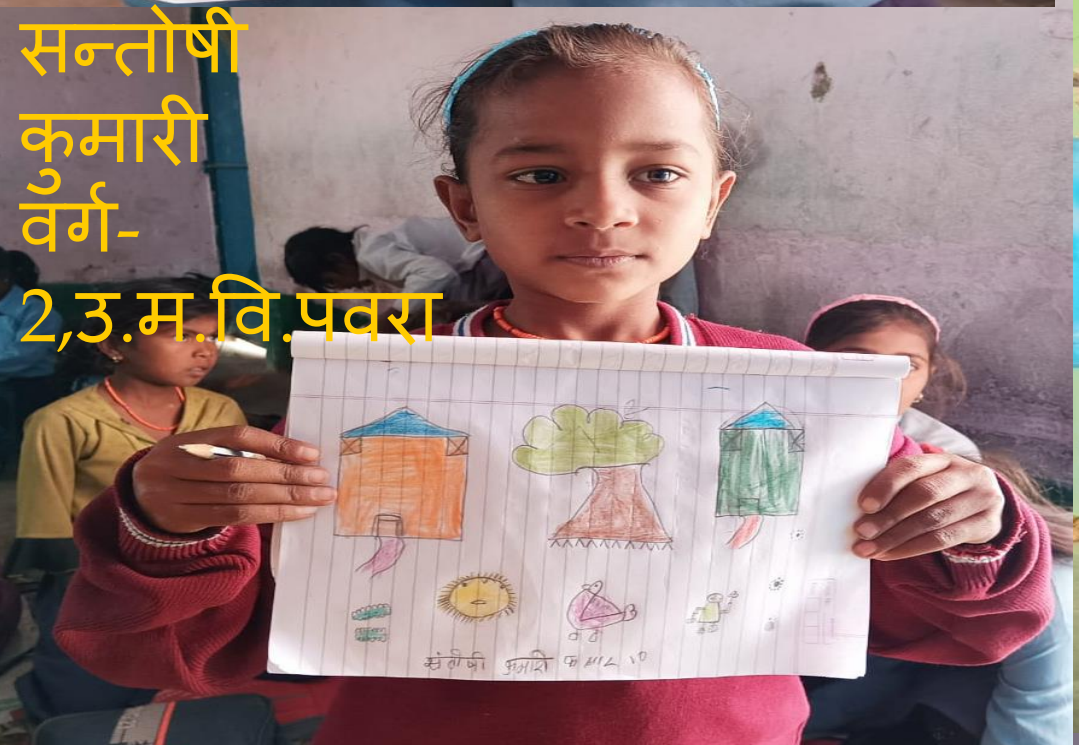

सन्तोषी कुमारी
वर्ग-2,उ.म.वि.पवरा

आपके पेंटिंग भाग6

पर्दानशीन उर्दू
प्रा.वि.करवन्दिया

आपके पेंटिंग भाग 7

पर्दानशीन
प्रा.वि.करवन्दिया

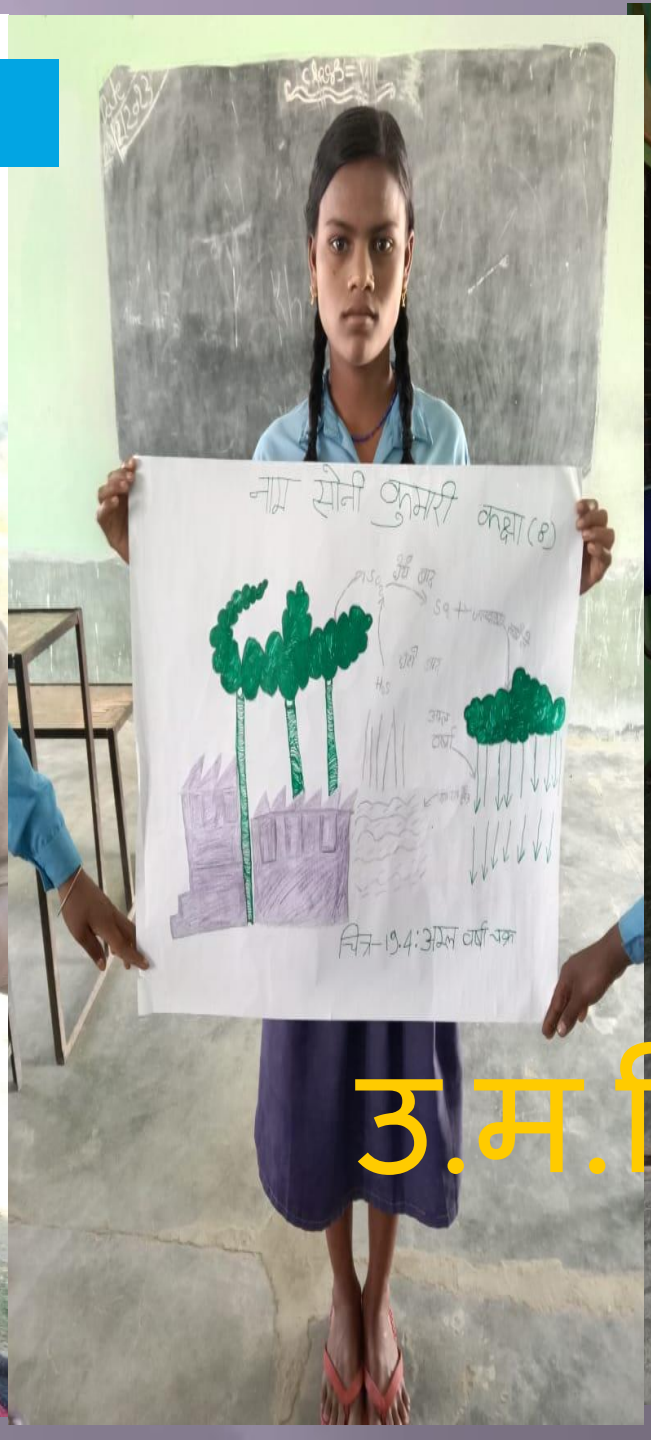

उ.म.वि.बसहां

बैगलेस शनिवार

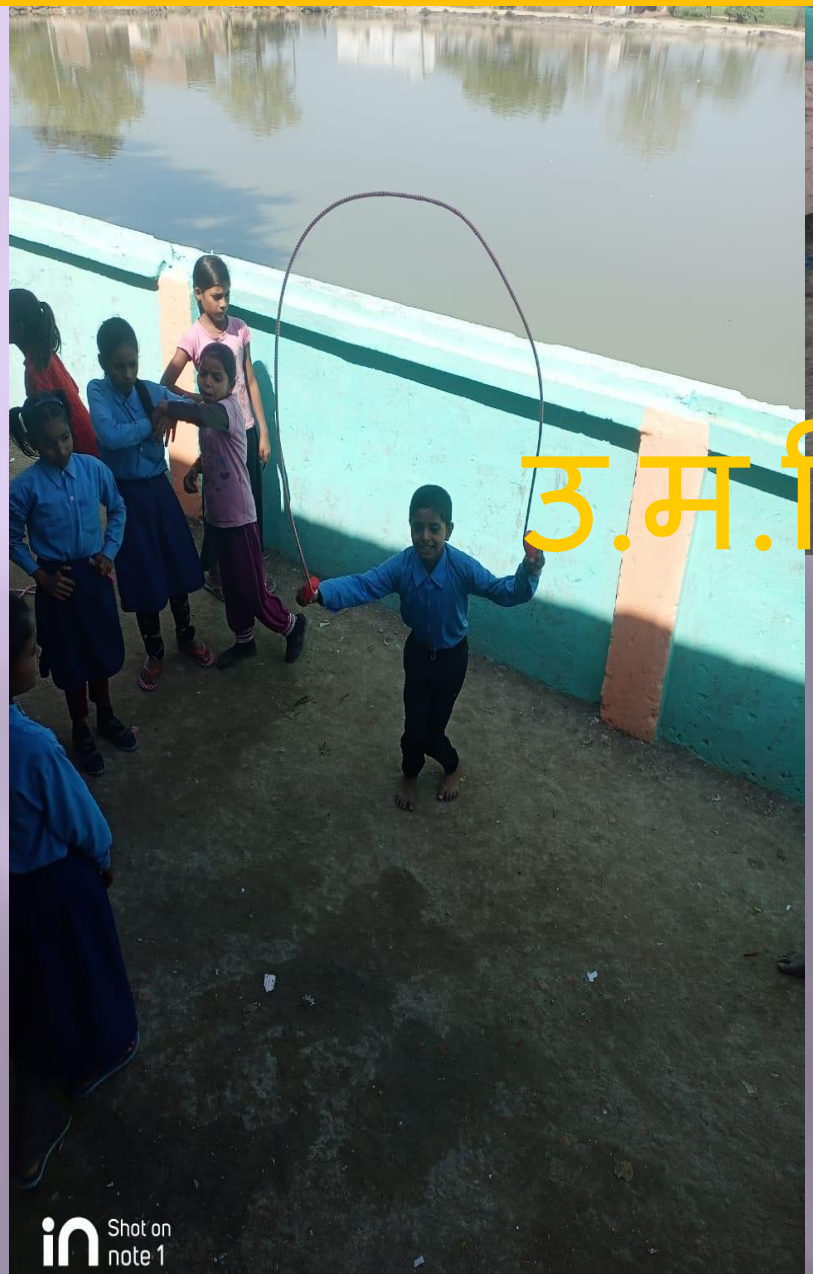

उ.म.वि.धोबहां

बैगलेस शनिवार

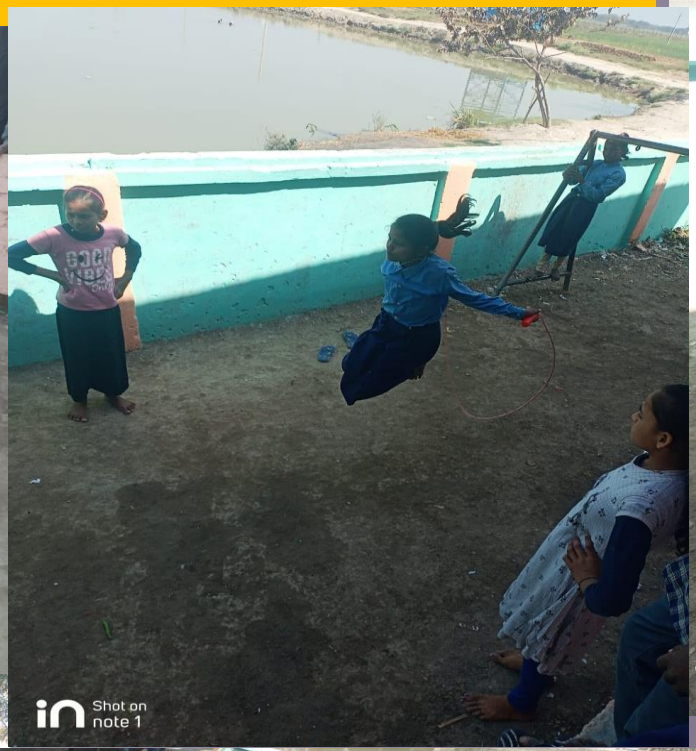

उ.म.वि.धोबहां

कविता

मां तो जन्नत का फूल है,
प्यार करना उसका उसूल है।
ऐ इंसान मां को नाराज करना तेरी भूल है,
मां के कदमों की मिट्टी जन्नत की धूल है।।
मां का घर कभी जर्जर नहीं होता।
खूबसूरत उससे कोई मंजर नहीं होता।।

पूनम कुमारी
वर्ग-7
उ.उ.वि.भलुहारी

तितली रानी, तितली रानी।
कौन देश से आई हो।।
डाल डाल पर घूमा करती।
अपने पंख फैलायी हो।।
दूर देश की सैर करा दो।
मेरा भी मन बहला दो।।
सुंदर- सुंदर पंख फैलाए।
रंग -बिरंगे फूल दिखा दो।।

पुनीता कुमारी
वर्ग-8
उ.उ.वि.भलुहारी

बिस्तर पर मैं सोई थी।
सपनों में मैं खो गई थी।।
एक परी सपनों में आई।
मुझे देख परी मुस्कायी।।
तरह-तरह के उपहार।
चली गई वहां पंख पसार।।
उठकर जब मैं आंख खोली।
ढूंढने लगी अपना उपहार।।
मां ने पूछा कुछ खो आई।
मां मुझे देख मन्द-मन्द मुस्काई।।

कहानी

किसी गांव में कदम का एक पेड़ बहुत वर्षों से खड़ा था। गांव के लोग उसकी छाया में बैठते थे, गांव की महिलाएं उसकी पूजा करती थी। ऐसे ही समय बीतता गया और कई वर्षों बाद वृक्ष सूखने लगा। उसकी शाखाएं टूटकर गिरने लगी। जड़े भी कमजोर होने लगी। गांव के सरपंच ने विचार किया कि इस पेड़ को काटकर गरीब लोगों के झोपड़ी बनाईं जाय ।गांव के सभी लोग तैयार हो गए। गांव वाले उस वृक्ष को काटने के लिए आरी कुल्हाड़ी लेकर आए। कदम के पास खड़ा एक वृक्ष बोला दादा आपको इन लोगों की प्रवृत्ति पर जरा भी क्रोध नहीं आता, यह कैसे स्वार्थी लोग हैं जब इन्हें आप की आवश्यकता थी तब यह आपकी पूजा किया करते थे, लेकिन आज आपको कमजोर होता हुआ देखकर काटने चले हैं।

बूढ़े कदम के वृक्ष ने जवाब दिया- नहीं बेटे मैं तो यह सोच कर बहुत प्रसन्न हूं कि मरने के बाद भी मैं आज किसी के काम आ सकूंगा।

शिक्षा-परोपकारी व्यक्ति सदा दूसरे के प्रति करुणा का भाव रखता है।

बालमन टीम

क.म.वि.चांद

विज्ञान कॉर्नर

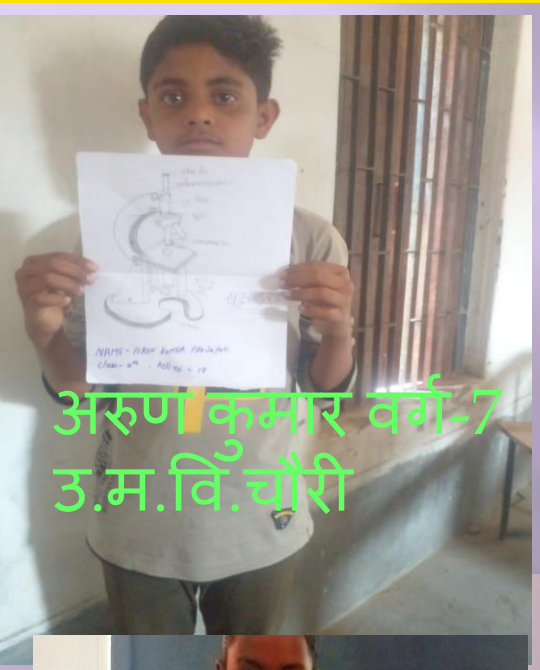

अरुण कुमार वर्ग-7
उ.म.वि.चौरी

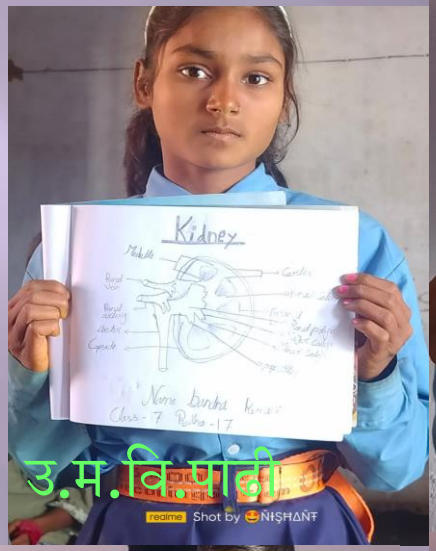

Kidney
उ.म.वि.पाढी

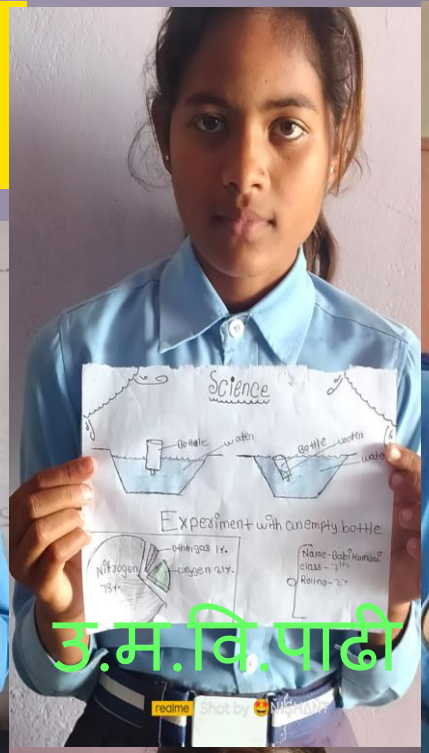

Science
Experiment with an empty bottle
उ.म.वि.पाढी

सोनाली वर्ग-8
उ.उ.वि.भलुहारी

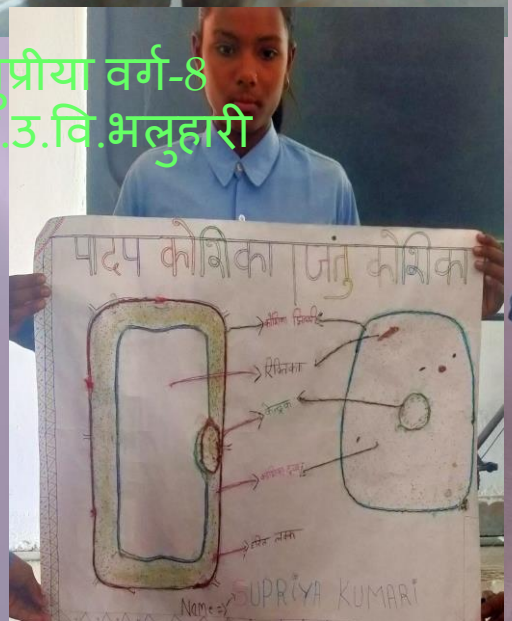

सुप्रीया वर्ग-8
उ.उ.वि.भलुहारी
पादप कोशिका | जंतु कोशिका
SUPRIYA KUMARI

उ.म.वि.पाढी

उ.म.वि.पाढी

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

कौशल्या कुमारी
वर्ग-7
उ.म.वि.भलुहारी

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

विदया कुमारी
वर्ग7उ.मे.वि.भलुहा
री

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 3)

अंतिमा कुमारी
कक्षा - 4

उर्दू
प्रा.वि.कर
वन्दिया

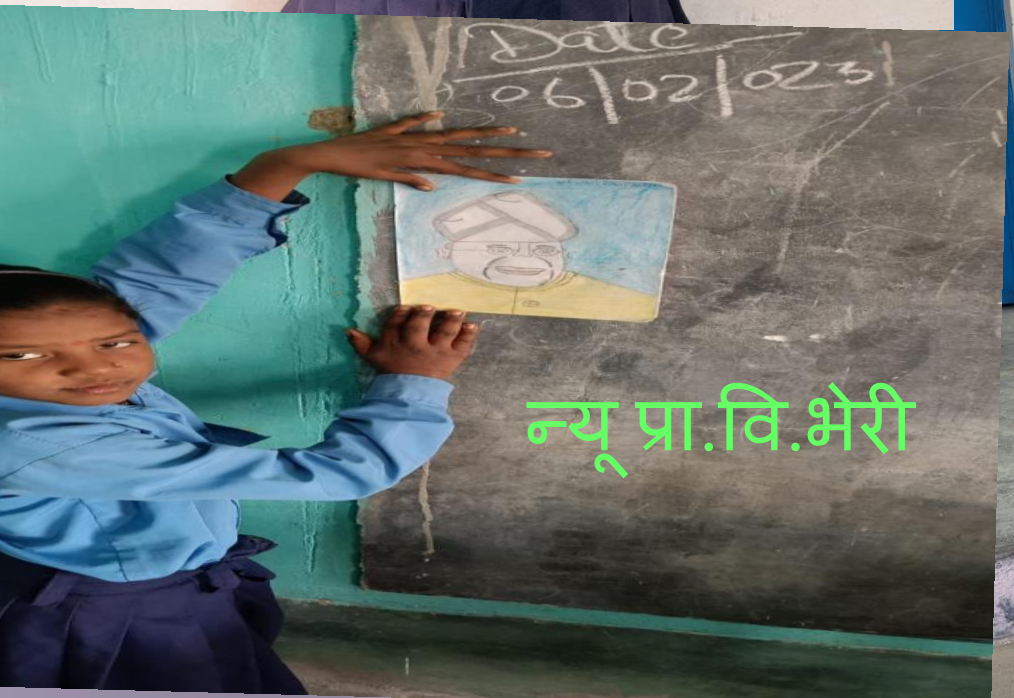

Date
06/02/023
न्यू प्रा.वि.भेरी

उर्दू
प्रा.वि.करवन्दि
या

फोटो ऑफ द मंथ (भाग4)

उर्दू
प्रा.वि.करवन्दिया

उ.म.वि.बसहां

बादल कुमार
प्रा.वि.भैरुहिया

TEACHER OF THE MONTH

नाम-ऑफशा बेगम
जन्मदिन-15 अगस्त 1974
हाई स्कूल-जिला परिषद कन्या हाईस्कूल चकिया वाराणसी
इंटर-आदित्य नारायण राजकीय इंटर कॉलेज चकिया वाराणसी
बी.ए.-पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर
एम.ए.- महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी
शैक्षणिक योग्यता-डी.पी.ई. इग्नू
नियुक्ति तिथि-3 मार्च 2003
कार्यरत- विद्यालय प्रभारी
उर्दू प्रा. वि. करवन्दिया
चांद, कैमूर

चहक

म.वि.चांद

चहक

अज़ब-गज़ब

1. उत्तराखंड में दुर्लभ यूट्रीकुलरिया फुरसेलता नामक कीटभक्षी पौधे की प्रजाति चमोली जिले के सुरम्य घाटी में पाई जाती है ।

2.अगर बिस्किट में छेद न हो तो बेकिंग के दौरान भाप बाहर नही निकल पाएगी,जिससे बिस्किट टूट जायेगी या उसमें दरार आ जाएगी।

3.एक सर्वे के अनुसार ताजा फल खाने वाले बच्चों का आई.क्यू. अन्य बच्चों के मुकाबले अधिक तेज होता है।

4. छत्तीसगढ़ के प्राथमिक विद्यालय धरमपुर के बच्चों ने सीड बॉल्स द्वारा पौधे उगाने की अनोखी विधि का उपयोग किया है जिसमे खाली जमीन पर गुलेल से सीड बॉल्स फेंक कर चार प्रकार के पौधे उगाएं जाते है।

5.दक्षिणी अमेरिका में पायें जाने वाले हॉटजिन नामक अनोखे पक्षी को बुद्धू पक्षी माना जाता है जो अपना ज्यादातर समय पानी के पास पेड़ की शाखाओं पर बैठ कर बिताता है।

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

1. राम : होली में लोग रंग क्यों लगाते हैं ?
श्याम : ताकि गलती कोई और करे और डांट किसी और को पड़े !
राम : मतलब
श्याम (पीछे से एक बड़े लड़के को रंग लगा कर):राम तुमने बहुत अच्छे से रंग लगाया।
राम (भागते हुए):मैं समझ गया।

.....

* कई बार सोचता हूं व्हाट्सएप और फेसबुक बंद कर दूं,
लेकिन क्या करू इसका ढक्कन ही नही मिल रहा ..!

* फल खाते समय कीड़ा दिखे तो टेंशन नहीं...
लेकिन टेंशन तब होती है जब कीड़ा आधा खाया हुआ नजर आए...!

निबंध

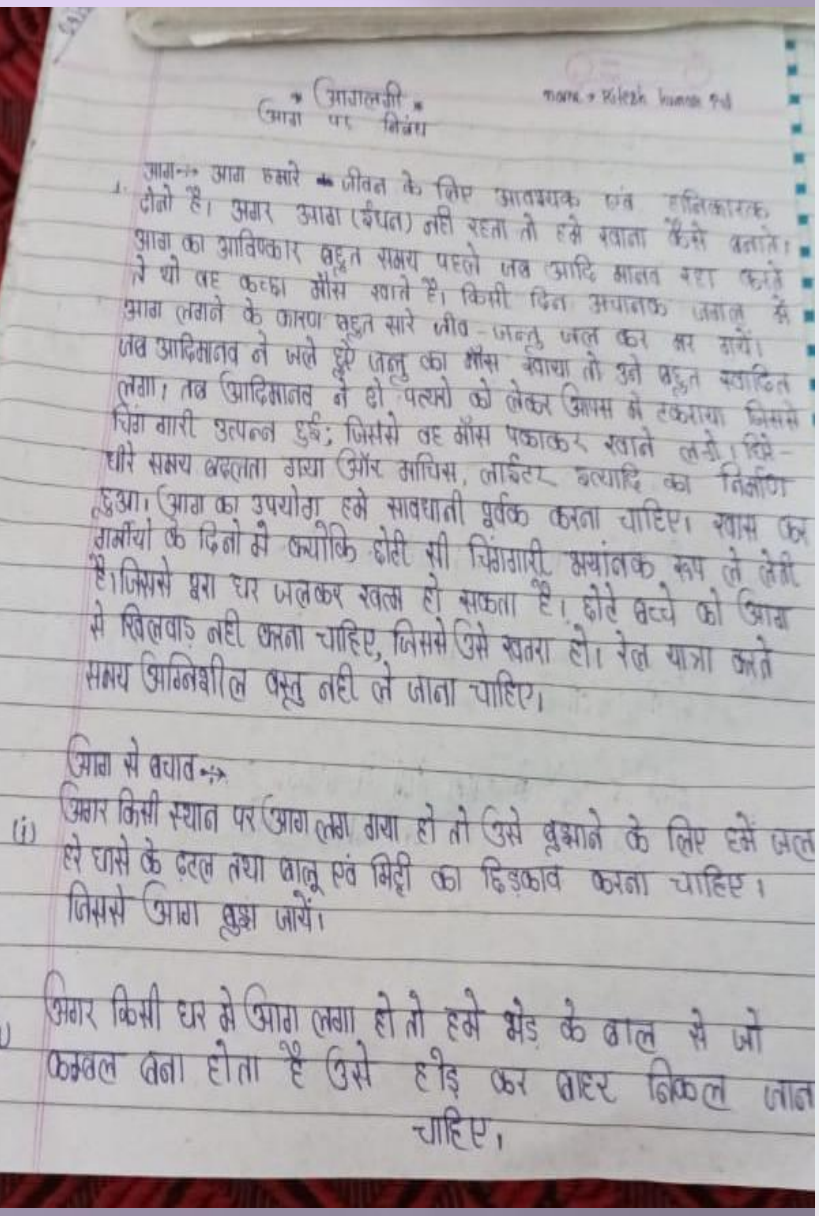

* आगलगी *
आग पर निबंध

name - Rilesh kumar pal

1. आग→ आग हमारे जीवन के लिए आवश्यक एवं हानिकारक दोनो है। अगर आग (ईंधन) नही रहता तो हमे खाना कैसे बनाते। आग का आविष्कार बहुत समय पहले जब आदि मानव रहा करते थे वह कच्चा माँस खाते है। किसी दिन अचानक जंगल में आग लगने के कारण बहुत सारे जीव-जन्तु जल कर मर गयें। जब आदिमानव ने जले हुए जन्तु का माँस खाया तो उसे बहुत स्वादिष्ट लगा। तब आदिमानव ने दो पत्थरो को लेकर आपस में टकराया जिससे चिंगारी उत्पन्न हुई; जिससे वह माँस पकाकर खाने लगे। धिरे-धीरे समय बदलता गया और माचिस, लाईटर इत्यादि का निर्माण हुआ। आग का उपयोग हमे सावधानी पूर्वक करना चाहिए। खास कर गर्मीयों के दिनो मे क्योकि छोटी सी चिंगारी भयांनक रूप ले लेती है। जिससे पूरा घर जलकर खत्म हो सकता है। छोटे बच्चे को आग से खिलवाड़ नही करना चाहिए, जिससे उसे खतरा हो। रेल यात्रा करते समय अग्निशील वस्तु नही ले जाना चाहिए।

आग से बचाव→

(i) अगर किसी स्थान पर आग लग गया हो तो उसे बुझाने के लिए हमें जल हरे घासे के ढ़ल तथा बालू एवं मिट्टी का छिड़काव करना चाहिए। जिससे आग बुझ जायें।

(ii) अगर किसी घर मे आग लगा हो तो हमे भेड के बाल से जो कम्बल बना होता है उसे ओढ़ कर बाहर निकल जाना चाहिए।

रोचक गणित

शून्य 0 zero

आर्यभट्ट ने शून्य का आविष्कार AD 458 में किया लेकिन उन्होंने शून्य के लिए कोई प्रतीक नहीं दिया।ब्रह्मगुप्त ने सबसे पहले शून्य के लिए एक प्रतीक 0 और शून्य के साथ गणना करने के नियम दिए।

👉शून्य एक मात्र ऐसी संख्या है जिसका कोई रोमन प्रतीक नहीं है।

👉शून्य का कोई व्युत्क्रम संख्या नहीं है

👉शून्य एकमात्र संख्या है जिसे भाजक के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है।

कुमार राकेश मणि
U.H.S. कोटा नुआंव कैमूर

कैमूर एक परिचय

बिहार के पटना प्रमंडल के रोहतास जिले से अलग होकर 17 मार्च 1991 को कैमूर स्वतंत्र जिले के रूप में अस्तित्व में आया। इस जिले का मुख्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग -02 से 15 किलोमीटर दक्षिण भभुआ में अवस्थित है। 17 मार्च 1994 को इस जिले का नाम भभुआ से कैमूर किया गया।जिले का नाम कैमूर की पहाड़ियों के कारण कैमूर पड़ा। कैमूर ऐतिहासिक महत्व, पुरातात्विक स्थल ,जलवायु एवं प्राकृतिक छटा के लिए प्रसिद्ध है। इस जिले के भगवानपुर प्रखंड में मां मुंडेश्वरी देवी मंदिर स्थित है जो एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ -स्थल है। इसके अतिरिक्त बख्तियार खां का रोजा, तेलहाड कुंड ,करकट जलप्रपात जिले के आकर्षण केंद्र हैं। जिला मुख्यालय भभुआ को हरित शहर (ग्रीनसिटी)भी घोषित किया गया है।

टी.एल.एम.मेला(चांद)

टी.एल.एम.मेला(चांद)

टी.एल.एम.मेला(चांद)

टी.एल.एम.मेला(चांद)

प्रखण्डस्तरीय T L
2023

प्रखण्डस्तरीय TLM मेला
27.02.2023
प्रखण्ड स्तरीय निपुण T.L
कक्षा : 1 से 5 के
प्रखण्ड : चांद, जिला :

पर ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः॥
प्रखण्डस्तरीय TLM मेला
27.02.2023
बिहार शिक्षा परियोजना,
प्रखण्ड स्तरीय निपुण T.L
कक्षा : 1 से 5 के
प्रखण्ड : चांद, जिला :

टी.एल.एम.मेला(चांद)

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु: गुरुर्देवो महेश्वर:
गुरु: साक्षात पर ब्रह्म तस्मै श्री गुरु
2023

पेट
Stomach
Leg

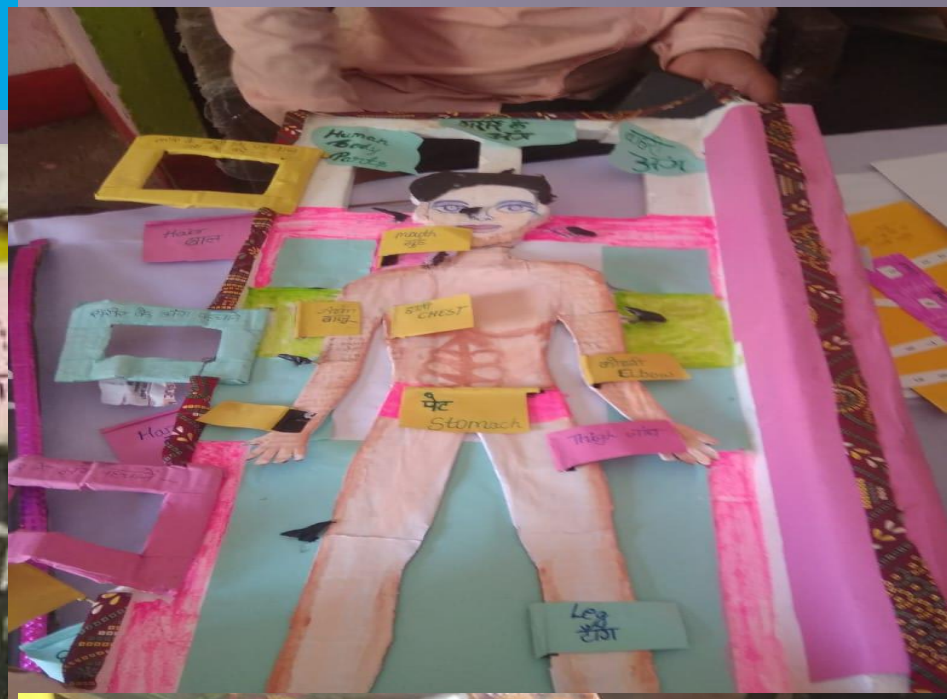

TIGER
MARS

टी.एल.एम.मेला(चांद)

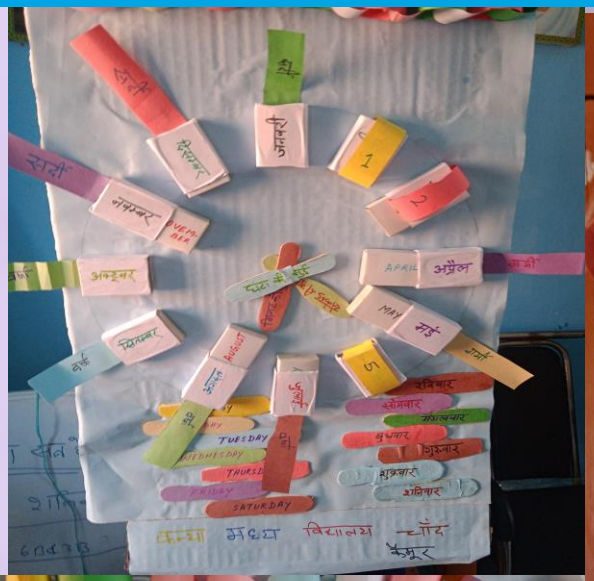
कन्या मध्य विद्यालय चाँद कैमूर

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक
कन्या मध्य विद्यालय चाँद कैमूर
राष्ट्रीय ध्वज

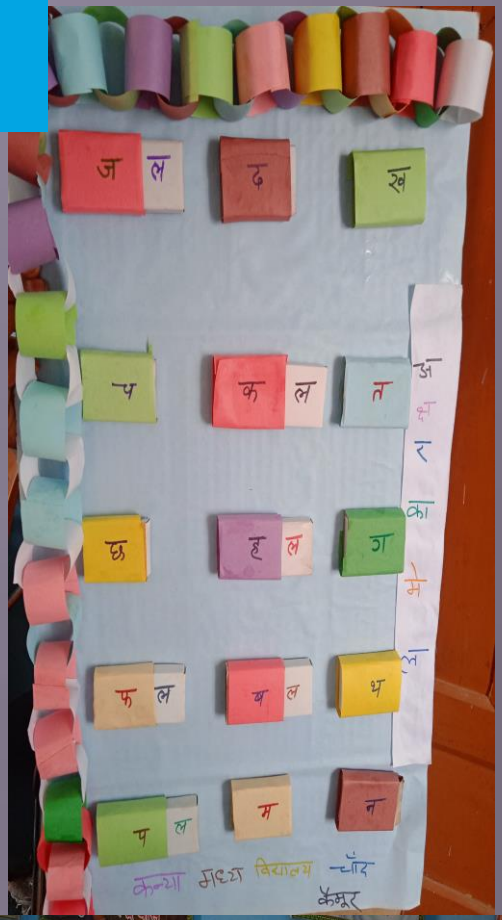
कन्या मध्य विद्यालय चाँद कैमूर

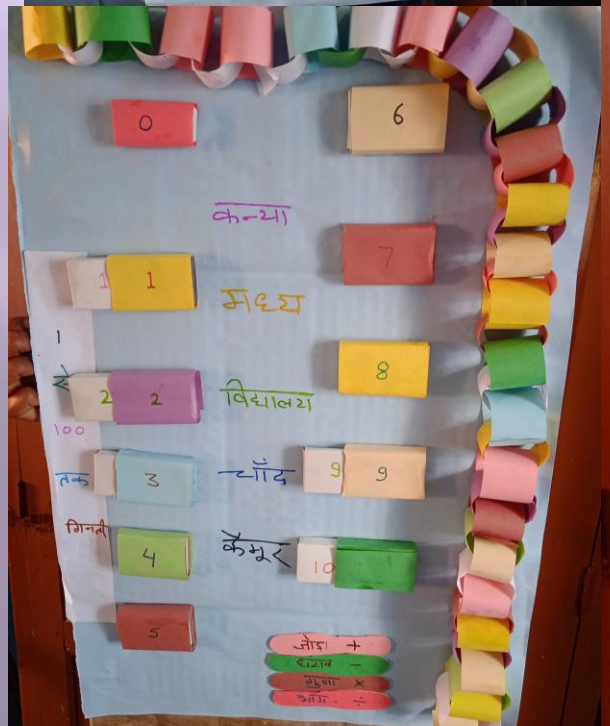
कन्या
मध्य
विद्यालय
चाँद
कैमूर

टी.एल.एम.मेला(चांद)

होली के रंग बच्चों के संग

प्रा.वि.सिहोरिया

प्रा.वि.शिव

होली के रंग बच्चों के संग

उ.म.वि.बसहा

क.म.वि.चांद

उ.म.वि.बसहा

होली के रंग बच्चों के संग

बु.वि.अइलाय

क.म.वि.चांद

होली के रंग बच्चों के संग

क.म.वि.चांद

22 मार्च
बिहार स्थापना दिवस
अपना बिहार
Champaran Satyagrah
West Champaran
East Champaran
Sitamarhi
Madhubani
GAYA
Gopalganj
CHANAKYA
Supaul
Araria
BIHARI CUISINE
Maner Sharif Dargah
Muzaffarpur
Falgu
Siwan
MAHABODHI TEMPLE
Khagaria
Samastipur
NALANDA UNIVERSITY
Bihar
Begusarai
Nalanda
PATLIPUTRA
Buddhism
Bhojpur
Buxar
Rohtas
Arwal
Being Bihari
Bhagalpur
Patna Beats
Munger
Nawada
Katihar
Banka
GOLGHAR
Ganga
Aurangabad
ASHOKA
PATNA
Gaya
MAITHLI

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you